

इलाहाबाद विकास प्राधिकरण

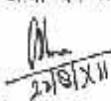
पत्रांक : 34 / संयुक्त सचिव / जॉन - 2 / 2012-13 दिनांक 22 / 08 / 2012 (भी)

अनुमति-संख्या

यह अनुमति उम्मीद नगर नियोजन तथा टिकास अधिनियम 1973 को धारा 14 व 15 के अन्तर्गत हो जाती है, किन्तु अर्थ यह न रागड़ना चाहिये कि उस भूमि के सम्बन्ध में यिल पर एकल आवासीय भवन मानचित्र रागड़ना किया जा रहा है, इससे किसी प्रकार या किसी खाली निकाय या इसके रायानीय अधिकारी या व्यक्ति अथवा फर्म जो मालिकाना अधिकारों पर यिली का लाइटर पड़ेगा अर्थात् यह अनुमति किसी के मिलित या स्वामित्व के अधिकारों के विरुद्ध काई प्रभाव न रखेगी।

श्रीमती कामना मध्यान पत्नी श्री गुशील कुमार एवं श्रीमती उना मध्यान पत्नी श्री विनीता मध्यान श्याल नजूल प्लाट नं०-104ए एवं 116ए/2, घटाना नं० 134/1 लूकरांग, बूले लाल नगर, इलाहाबाद, जॉन संख्या (2) के अन्तर्गत एकल आवासीय भवन निर्माण की अनुमति है, विशेष भवन नानवित के प्रस्तावित भाग पर निर्माण की उन्नुमति निर्माणित प्रतिक्रिया के अर्द्ध प्रदान की जाएगी।

1. उम्मीद नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम 1973 की धारा 15ए (1) के प्रारिधानों के अनुरूप पूर्णता प्रमाण पत्र ग्राहक हुने के पश्चात् यो उपर्योग/अधिकार किया जाए। भवन निर्माण एवं निकास लापविधि 2008 में लपविधि राज्या-218 एवं 3.1.8 में निर्धारित किया पूर्ण तर पूर्ण प्राप्ति प्रमाण-पत्र ग्राहक फरना आवश्यक है।
2. ५८ स्वेच्छित अनिवार्य (Provisional) स्वीकृति के रूप में होगी। निर्माण पूर्ण होने के उपरान्त, सभी आवश्यक Mandatory Clearances/N.O.C की शर्तें पूर्ण करने के पश्चात् निर्माण किये जाने वाले 'पूर्णता प्रमाण-पत्र' प्राप्त करने के बाद ही इस विभाग को वाराणसीक उपयोग में लागा जा सकेगा।
3. स्वाक्षिक जावनी की विवाद पर गानवित्र स्वतं निरसा राज्या जाएगा।
4. श्याल पर ८०३ प्लॉन ग्रा. एक बोर्ड लगाकर रायीकृति सम्बन्धी विवरण अर्कित करना होगा।
5. श्याल पर ३३ जादू वक्ष लगाने होंगे तथा इसके बाहर-भरा रखने वा दौबाया आवश्यक कर जाएगा।
6. श्याल ग्रा. विभागीय/ जपानी स्वेच्छित प्रस्तावना के अनुसार ही करना जाए, उच्चारा भी स्थिती ग्रा. मानचित्र निरसा समझा जाएगा।
7. रेमबाटर हावरिटिंग प्रणाली नानव के अनुसार पूर्ण करकर गृ-गर्भ जल विभाग से अनपत्ति ग्राह किया जाना आवश्यक है।
8. यदि आवेदक द्वासा जोई मलतानुरूप सूचना लियायी गयी है तथा उसके रुखना दी गयी है तो उम्मीद नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम 1973 की धारा 15 (3) के उन्नीसवां मानचित्र निरसा लगने प्रोत्त्वे होगा।
9. ग्रामन निर्माण से यदि नाली द्वे सड़क की पट्टी अथवा अड्डक या नली के किसी भाग द्वारा ग्रामन के अगवाई पिछवाई उथला उसके आकार के कारण ढक नहीं हो) को हानि पहुंचे तो गृहस्थायी तेजर द्वे द्वन्द्व पर १५ दिन के बीच राधवा यादे विकास प्राधिकरण ने एक लिपित सूचना द्वासा और ग्रीष्म कला तो पहले ही उसे अपने छह दो वर्षों में नरमत लशकर पूर्वक अवश्य जिससे विकास प्राधिकरण को सन्तोष हो जाय, मैं कर देगा।
10. गृह निर्माण के समय इसका भी ध्यान रखना होगा कि भारतीय विनुता अधिनियम 358 (इंडियन इलेक्ट्रिसिटी लॉन्स 1965) नियम ८२ का उल्लंघन किसी भी दशा में न होना चाहिए। यदि विकास प्राधिकरण की जानकारी में ऐसे नामहे जाये गए हों तो वह ऐसे निर्माण के रोक अथवा छन्दा सकता है।
11. आनेदल लो. नियानुसार विकास प्राधिकरण की गफान की गोपनीयता तथा उत्तम तरह उन्नत उत्तरांक पूर्ण हो जाने की रुचन गफान आदाद होने से पूर्व देन होगा तथा उस अन्दरी द्वा नम भी देना होगा जिसके निरीक्षण में नवान निर्माण हुआ है।
12. यदि नि. १० में नास्टर एकान के उल्लंघन होता याया तथा तो निर्माणको जो दी गई स्वीकृते एवं समझी जायेगी तो किया या निर्माण अनिकृत घोषित कर उत्तर अधिनियम की धारा 27 (1) के अन्तर्गत कार्यवाची आस्तन की जाएगी।


 (डी०एस० उपायाय)
 संयुक्त सचिव/ जॉन००००-२
 इलाहाबाद, विकास प्राधिकरण,
 इलाहाबाद

